Uturn Time 08 Jan 2026_Page 1-4.qxd 07-01-2026 22:56 Page 1

गुस्ताखी माफ

यही फिक्र है ना कहीं, हो जाये नुकसान।
क्या जितना बिल बनेगा, कर देंगे भुगतान।
कर देंगे भुगतान, सोच में इसी पड़े हैं।
अस्पताल हम निजी, हमारे दाम बड़े हैं।
कह साहिल कविराय, योजना बहुत सही है।
हो जाये भुगतान, हमारी फिक्र यही है।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 10 | ISSUE 362 | THURSDAY 08-01-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

समाज में शुरू हुआ नटवरलाल सुनील मड़िया की ठगी का ट्रेंड, राजनेताओं की शह पर नए नए नटवरलाल कर रहे लोगों की पुश्तैनी जमीनों पर कब्जे

लुधियाना/यूटर्न/7 जनवरी। लुधियाना के नटवरलाल सुनील मडिया की राह पर अब कई और लोग चलते हुए जमीनों पर अवैध कब्जे करने लग गए हैं। जहां एक तरफ सुनील मडिया द्वारा सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे किए गए हैं, वहीं अब उसकी राह पर चलकर कुछ भू माफिया के सदस्यों द्वारा लोगों की पुश्तैनी जमीनों पर कब्जे करने शुरू कर दिए हैं।

इसी कब्जों के बीच एक नया मामला सामने आया है। जिसमें फिरोजपुर रोड स्थित बराड़ सीड स्टोर के मालिक हरविंदर सिंह उर्फ काका बराड़ की ओर से जानकार दंपति के साथ मिलकर आम आदमी पार्टी की महिला पार्षद नंदिनी मनु जैरथ के ससुर अश्वनी कुमार जैरथ की ही जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की गई।

लेकिन इन कब्जाधारियों का कड़ा विरोध कर पीड़ितों द्वारा अपनी जमीन बचाई गई और पुलिस को शिकायत दी गई। थाना दरेसी की पुलिस ने मेजर गुरदियाल सिंह रोड के अश्वनी कुमार जैरथ की शिकायत पर अग्र नगर बाड़ेवाल रोड के हरविंदर सिंह उर्फ काका बराड़, गड़शंकर के कमलजीत सिंह और उसके पति परमजीत कौर के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

बेखौफ हुए कब्जाधारी

हैरानी की बात तो यह है कि आज कल भू माफिया इतना बेखौफ हो चुका है कि उनकी तरफ से कभी भी किसी की भी जमीन पर कब्जा कर लिया जा रहा है। उनके अंदर कानून का बिल्कुल डर न होना इस बात का सबुत है कि उन्होंने पार्षद की ही जमीन हड़पने की कोशिश की।

आरोपी हरविंदर सिंह काका बराड़

पहले भी की गई कब्जे की कोशिश

शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी कलमजीत सिंह और उसकी पत्नी परमजीत कौर की और से पहले भी आपसी मिलीभगत करके उनके प्लॉट पर कब्जा करने का प्रयास किया गया था। जिसमें उन्होंने जेसीबी मशीन के साथ प्लॉट की एक तरफ की दीवार तोड़कर कब्जा करने की कोशिश की थी। लेकिन जब शिकायतकर्ता और उनके रिश्तेदार मौके पर पहुंचे तो आरोपी वहां से भाग निकले। जिसके बाद उन्होंने पुलिस को शिकायत दी। लेकिन पुलिस द्वारा बार बार बुलाने के बावजूद आरोपी पेश नहीं हुए थे।

डीसीपी ने हक में बनाई रिपोर्ट, एडीसीपी ने इंकारी

शिकायतकर्ता के अनुसार उन्होंने 2024 में भी मामले संबंधी पुलिस को शिकायत दी थी। इस दौरान डीसीपी जसकिरनजीत सिंह तेजा द्वारा मामले की जांच कर जमीन उनकी होने की रिपोर्ट बनाई थी। लेकिन फिर मामले की दोबारा जांच एडीसीपी समीन वर्मा ने की। इस दौरान एडीसीपी ने अपने ही अफसर की बनाई रिपोर्ट को साइड कर यह लिख दिया कि मामला अदालती है। चर्चा है कि कहीं न कहीं एडीसीपी द्वारा आरोपियों का बचाव करने का प्रयास किया गया था।

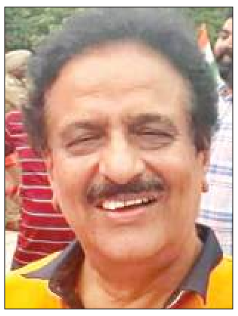

काका बराड़ और मडिया के पीछे कौन, सभी को पता

वहीं चर्चा है कि कब्जाधारी काका बराड़ और नटवरलाल सुनील मडिया द्वारा धड़ल्ले से कब्जे किए जा रहे हैं। सभी को पता है कि काका बराड़ और मडिया के पीछे आखिर किसका हाथ है, किसकी छत्रछाया में यह कब्जे हो रहे है। लेकिन भी कोई बोलने के लिए तैयार नहीं है। हालांकि आप पार्टी के विधायकों को भी इस संबंधी पूरी जानकारी है। लेकिन वह भी कहीं न कहीं बोलने से गुरेज कर रहे हैं।

सत्ताधारी राजनेता ही करवा रहे कब्जे

चर्चा है कि हरविंदर काका, कमलजीत और उसकी पत्नी परमजीत तो सिर्फ भू माफिया के प्यादे हैं। उन्हें सिर्फ दिखाने के लिए आगे किया जाता है। जबकि उनके किंगपिन कोई और है। चर्चा है कि कुछ सत्ताधारी राजनेताओं की ओर से ही सत्ताधारी पार्टी की पार्षद की ही जमीन पर कब्जे कराने का प्रयास किया जा रहा है। हैरानी की बात तो यह है कि पैसों के लालच में अब आप पार्टी के लीडर अपने ही लीडरों की जमीनें हड़पने लग गए हैं।

जाली बीज और खाद बेचने के आरोप में भी हो चुके पर्चे

जानकारी के अनुसार आरोपी हरविंदर सिंह काका बराड़ फिरोजपुर रोड स्थित पीएयू गेट नंबर एक के सामने मौजूद बराड़ सीट स्टोर का मालिक है। काका बराड़ पर पहले भी जाली बीज बेचने के आरोप में मामला दर्ज हो चुका है। हालांकि इसके अलावा एक हफ्ता पहले ही बराड़ सीट स्टोर के ही मालिक नवरुप सिंह बराड़ पर पाबंदीशुदा कीटनाशक सामान बेचने के आरोप में मामला दर्ज हुआ है। इसके अलावा काका बराड़ के ही पिता हरदयाल सिंह पर साल 2020 में थाना डिवीजन नंबर पांच की पुलिस ने पीएयू के बीजों की कालाबाजारी करने के आरोप में मामला दर्ज किया था।

1990 से प्लॉट के हैं मालिक

शिकायतकर्ता अश्वनी कुमार जैरथ के अनुसार उनकी उम्र 75 साल है और वह आपाहिज है। उनकी एक प्रॉपर्टी 400 गज काराबारा गांव की तरफ मौजूद है। जिसके वह जून 1990 से मालिक है। शिकायतकर्ता के अनुसार उसने प्लॉट की चार दीवारी कर रखी है और गेट पर ताला लगाया हुआ है। जिसे जरुरत पड़ने पर उनके ही जानकार खोलते हैं। प्लॉट के सभी दस्तावेज और बिजली कनेक्शन तक उनके नाम पर है।

कब्जा न हो पाने पर तैयार करवाए जाली दस्तावेज

शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी कमलजीत और परमजीत जब प्लॉट पर अवैध कब्जा न कर पाए तो उन्होंने भू माफिया ग्रुप से संबंधित हरविंदर सिंह उर्फ काका बराड़ के साथ बातचीत की। जिसके बाद तीनों आरोपियों ने मिलकर उनके प्लॉट के जाली व झूठे दस्तावेज तैयार करवाए। जिसके बाद प्लॉट पर लगा ताला तोड़कर कब्जे की कोशिश की। जिसके चलते शिकायतकर्ता व उनके रिश्तेदारों ने आरोपियों का विरोध किया। जिसके बाद आरोपियों ने जान से मारने की धमकियां देनी शुरू कर दी।

पहले भी दर्ज है अवैध कब्जे मामले

वहीं शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपी हरविंदर सिंह उर्फ काका बराड़ द्वारा पहले भी भू माफिया के साथ मिलकर कई जमीनों पर कब्जे करने का प्रयास किया जा चुका है। जिसके चलते उसके व उसके साथियों के खिलाफ अक्टूबर 2025 में भी थाना सराभा नगर की पुलिस ने मामला दर्ज किया था। जिसमें आरोपियों द्वारा माननीय अदालत में पेश होकर माफी भी मांगी थी।

32 साल की सेवा पर भारी पड़ा भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी में दोषी ASI की बर्खास्तगी बरकरार

चंडीगढ़, यूटर्न, 07 जनवरी। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार के मामलों में सख्त संदेश देते हुए कहा है कि सेवा अवधि कितनी भी लंबी क्यों न हो, यदि कर्मचारी गंभीर भ्रष्टाचार का दोषी पाया जाता है तो उसे नौकरी में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। इसी टिप्पणी के साथ हाईकोर्ट ने

हरियाणा पुलिस के सहायक उप निरीक्षक (अरक) ईश्वर सिंह की बर्खास्तगी को सही ठहराते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी।

अदालत ने स्पष्ट किया कि 32 वर्षों की सेवा, प्रशंसा प्रमाण पत्र या पेंशन जैसे अधिकार भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के सामने कोई राहत नहीं दे सकते। न्यायालय के अनुसार रिश्वतखोरी 'अत्यंत गंभीर कदाचार' है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

रस्म पगड़ी

आपको बड़े दुःखी हृदय से सूचित किया जाता है कि हमारी पूजनीय माता जी

श्रीमती सत्या देवी

(धर्मपत्नी स्व: श्री ओंकार नाथ बडियाल)

अपनी सांसारिक यात्रा पूरी करके 29-12-25 को प्रभु चरणों में विलीन हो गई हैं। उनकी आत्मिक शान्ति हेतु

प्रार्थना एवं रस्म पगड़ी 8 जनवरी 2026, वीरवार

दोपहर 1:00 से 2:00 बजे तक

ROTARY BHAWAN, ADJ. DEEPAK HOSPITAL, SARABHA NAGAR, LUDHIANA.

शोकाकुल परिवार

दीपक बडियाल - पुजा (पुत्र- पुत्रवधू) | बबली - वीरन्द्र डोगरा (बेटी- दामाद)
अरनव बडियाल- अनुष्का (पौत्र- पौत्रवधू) | रजनी - स्व. राजू पंबी (बेटी- दामाद)
अंशिया - सौरभ बुधिराजा (पोत्री - दामाद) | स्व. ज्योति - कृष्ण कुमार शर्मा (बेटी- दामाद)
केवल कृष्ण बुधिराजा परिवार | स्व. सुनीता - राजेश शर्मा (बेटी- दामाद)
मुनीश चोपड़ा परिवार | आशिमा - पुनीत गौढ (बेटी-दामाद)

BADYAL GROUP

BADYAL REALTORS | SAHNEWAL GREENS | HAIDER ENCLAVE

M. 98156-66606, 92256-00001

Uturn Time 08 Jan 2026_Page 1-4.qxd 07-01-2026 22:56 Page 2

अब हर मरीज को घुटना बदलवाने की आवश्यकता नहीं : डॉ. अग्रवाल

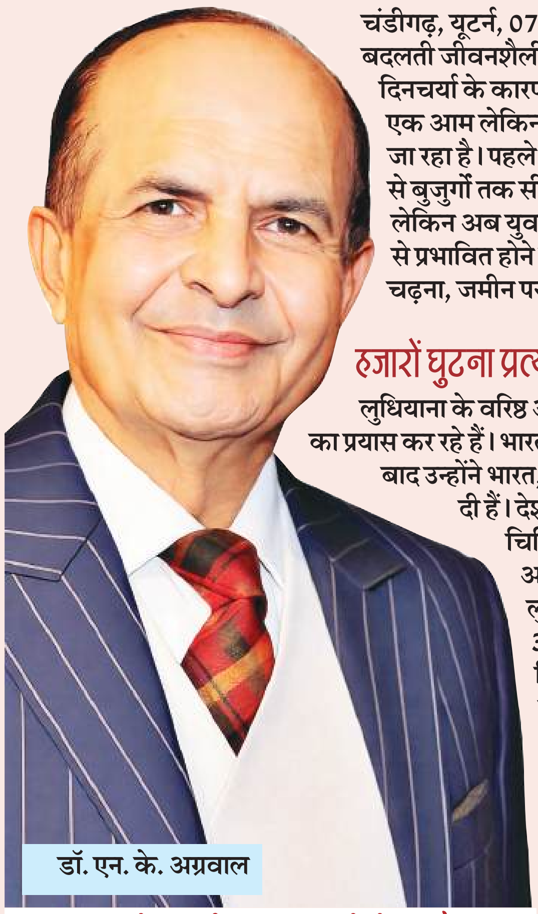

डॉ. एन. के. अग्रवाल

चंडीगढ़, यूटर्न, 07 जनवरी। तेजी से बदलती जीवनशैली, बढ़ती उम्र और व्यस्त दिनचर्या के कारण आज घुटनों का दर्द एक आम लेकिन गंभीर समस्या बनता जा रहा है। पहले यह समस्या मुख्य रूप से बुजुर्गों तक सीमित मानी जाती थी, लेकिन अब युवा वर्ग भी घुटनों के दर्द से प्रभावित होने लगा है। सीढ़ियाँ चढ़ना, जमीन पर बैठना या कुछ देर पैदल चलना कई लोगों के लिए मुश्किल हो गया है।

अक्सर दवाइयों, फिजियोथेरेपी और इंजेक्शनों से राहत न मिलने पर मरीजों को घुटना प्रत्यारोपण (नी रिप्लेसमेंट) की सलाह दी जाती है। हालांकि डर, खर्च, जटिलताएं, इलाज के असफल होने की आशंका और लंबे रिकवरी समय के कारण कई लोग इस सर्जरी को टालना चाहते हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि इसका कोई विकल्प नहीं है।

हजारों घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी का अनुभव

लुधियाना के वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. एन. के. अग्रवाल इस सोच को बदलने का प्रयास कर रहे हैं। भारत और विदेशों के प्रतिष्ठित संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्होंने भारत, यूके, यूरोप और अमेरिका के उत्कृष्ट चिकित्सा केंद्रों में सेवाएं दी हैं। देशवासियों की सेवा के उद्देश्य से वे भारत लौटे और अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। डॉ. अग्रवाल सीएमसी में ऑर्थोपेडिक्स विभाग के प्रमुख रह चुके हैं और डीएमसी, लुधियाना में आर्थोप्लास्टी एवं ट्रॉमेटोलॉजी के प्रोफेसर भी रहे हैं। 35 वर्षों में हजारों घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी करने के बाद वे इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि घुटनों का दर्द केवल जोड़ की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरे शरीर से जुड़ी बीमारी का संकेत भी हो सकता है। समाज सेवा के तहत वे सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों को यह उपचार निःशुल्क प्रदान कर रहे हैं। डॉ. अग्रवाल सरल प्रश्न-उत्तर शैली में बताते हैं कि घुटनों का दर्द क्यों बढ़ रहा है, घुटना प्रत्यारोपण की सीमाएं क्या हैं और सही समय पर उचित उपचार से बिना सर्जरी बेहतर जीवन कैसे संभव है।

आज घुटनों का दर्द इतना आम क्यों हो गया है?

लोग पहले की तुलना में अधिक उम्र तक जी रहे हैं। उम्र बढ़ने के साथ घुटनों पर दबाव बढ़ता है। वर्षों की मेहनत, चलना-फिरना और वजन जोड़ों को प्रभावित करता है। इसी कारण घुटनों का दर्द और गठिया बढ़ रहा है।

आप कई वर्षों से घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी कर रहे हैं। आपका अनुभव क्या कहता है?

मैं लगभग 35 वर्षों से घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी कर रहा हूं। शुरूआत में इसे एक क्रांतिकारी और सर्वोत्तम उपचार माना गया। लेकिन अनुभव के साथ यह समझ आया कि इस सर्जरी की कुछ सीमाएं भी हैं।

हालांकि जटिलताओं की दर 5% से कम होती है, फिर भी सफल सर्जरी के बाद भी 20झ25% मरीज पूरी तरह संतुष्ट नहीं होते क्योंकि उन्हें लक्षणों से पूरी राहत नहीं मिलती। यहां तक कि जो मरीज संतुष्ट रहते हैं, उनमें भी लगभग 15 वर्षों बाद समस्याएं शुरू हो सकती हैं। इससे मुझे लगा कि शायद हम बीमारी की असली वजह को नहीं समझ पा रहे थे।

क्या घुटनों का गठिया सिर्फ जोड़ की समस्या है?

बिल्कुल नहीं। पहले हम सोचते थे कि केवल कार्टिलेज घिस रहा है। लेकिन यदि शरीर में लगातार सूजन बनी हुई है, तो केवल घुटने का इलाज पर्याप्त नहीं है। शरीर के मेटाबॉलिक असंतुलन को ठीक करना और सिस्टमिक इंफ्लेमेशन का उपचार आवश्यक है।

क्या इसी सोच से 360-डिग्री उपचार की शुरूआत हुई?

हां। हमने ऐसा उपचार विकसित किया जो घुटनों के साथ-साथ पूरे शरीर पर काम करता है। जब बीमारी पूरे शरीर से जुड़ी है, तो इलाज भी समग्र होना चाहिए।

इस 360-डिग्री उपचार में क्या शामिल है?

स्थानीय उपचार में मरीज की स्वयं की हीलिंग क्षमता का उपयोग करते हुए आधुनिक जैविक तकनीकें शामिल हैं, जैसे PRP (प्लेटलेट-रिच प्लाज्मा), PRGF (प्लाज्मा रिच इन ग्रोथ फैक्टर्स), स्टेम सेल थेरेपी, बोन मैरो कंसंट्रेट और कभी-कभी अम्नियोटिक टिशू डेरिवेटिव्स।

शरीर के उपचार में सूजन कम करना, मेटाबॉलिज्म सुधारना, उचित सप्लीमेंट्स देना और प्रत्येक मरीज के लिए व्यक्तिगत सलाह शामिल है।

यह उपचार घुटना प्रत्यारोपण से कैसे अलग है?

ये उपचार न्यूनतम इनवेसिव हैं। आमतौर पर अस्पताल में भर्ती होने या एनेस्थीसिया की जरूरत नहीं होती। मरीज उसी दिन उपचार लेकर घर जा सकता है। न बड़ी सर्जरी होती है, न लंबे समय तक बिस्तर पर रहने की जरूरत। यह उपचार अत्यंत सुरक्षित है और आवश्यकता पड़ने पर कुछ वर्षों बाद दोबारा किया जा सकता है।

सिस्टमिक इंफ्लेमेशन क्या है?

यह शरीर के अंदर धीरे-धीरे और लगातार बनी रहने वाली सूजन की स्थिति है, जो गलत खान-पान, शारीरिक गतिविधि की कमी, बढ़ती उम्र, हार्मोनल बदलाव, आनुवंशिक कारणों और मेटाबॉलिक असंतुलन के कारण होती है।

एक सर्जन होने के नाते, महंगी घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी से आय होने के बावजूद आप यह नॉन-सर्जिकल इलाज क्यों दे रहे हैं?

यह एक अच्छा सवाल है और मुझसे अक्सर पूछा जाता है। एक डॉक्टर के रूप में मेरा उद्देश्य केवल पैसा कमाना नहीं, बल्कि अपने मरीजों को सर्वोत्तम, सुरक्षित, किफायती और उचित उपचार देना है। मैंने हमेशा कमाई को समाज के प्रति ईमानदार सेवा का परिणाम माना है, न कि अपने कार्य का मुख्य उद्देश्य।

क्या सर्जरी की तकनीक में सुधार हुआ है?

हां, तकनीक में काफी सुधार हुआ है। अब खून कम बहता है, ऑपरेशन के बाद दर्द कम होता है और मरीज जल्दी ठीक होते हैं। लेकिन जटिलताओं का जोखिम, सफल सर्जरी के बाद भी असंतोष, इम्प्लांट का ढीला होना, घिसाव या संक्रमण जैसी समस्याएं अब भी बनी रहती हैं। इससे यह स्पष्ट हुआ कि बीमारी की जड़ पर काम करने वाले बेहतर इलाज की आवश्यकता है।

आपने बीमारी की जड़ तक पहुंचने की कोशिश कैसे की?

तीन-चार साल पहले मैंने घुटना प्रत्यारोपण ही नहीं, बल्कि यह भी गहराई से समझना शुरू किया कि घुटनों का दर्द क्यों और कैसे शुरू होता है तथा अन्य शारीरिक बीमारियों से इसका क्या संबंध है। मुझे पीठ दर्द, घुटनों के गठिया और हृदय रोगों में एक समान कारण दिखाई दिया।

वह समान कारण क्या है?

वह है सिस्टमिक इंफ्लेमेशन, यानी पूरे शरीर में होने वाली अंदरूनी सूजन। उम्र बढ़ने के साथ शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, हार्मोनल बदलाव होते हैं और शरीर में हल्की लेकिन लगातार सूजन बनी रहती है, जो धीरे-धीरे घुटनों के जोड़ों को खराब करती है।

अब तक के परिणाम कैसे रहे हैं? मरीजों के लिए आपका क्या संदेश है?

हमने अपने नए प्रोटोकॉल से 150 से अधिक घुटनों का इलाज किया है। 95% से अधिक मरीजों में परिणाम बहुत अच्छे और संतोषजनक रहे हैं। दर्द कम हुआ है, चलना आसान हुआ है और दैनिक जीवन में सुधार आया है। कई ऐसे मरीज, जिन्हें घुटना प्रत्यारोपण की सलाह दी गई थी, अब बिना सर्जरी अच्छी तरह चल-फिर पा रहे हैं। मेरा संदेश है—दर्द को नजरअंदाज न करें। समय पर इलाज से सूजन को नियंत्रित कर घुटनों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

हिमाचल सरकार सोलन के बद्दी में चंडीगढ़ की तर्ज पर हिम चंडीगढ़ बनाएगी

चंडीगढ़/यूटर्न/7 जनवरी। सोलन जिले के बद्दी इलाके में चंडीगढ़ की सीमा पर शीतलपुर में एक वर्ल्ड-क्लास टाउनशिप बनाई जाएगी और इसका नाम हिम-चंडीगढ़ रखा जाएगा। यह बात हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कही है। सुक्खू ने कहा, ़एक टाउनशिप बनाने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए एक कैबिनेट सब-कमेटी बनाई गई थी और उसकी रिपोर्ट कैबिनेट ने मान ली है।़ उन्होंने आगे कहा, ़तीन पंचायतें लैंड पूलिंग के जरिए टाउनशिप के लिए जमीन देने को तैयार हैं और कैबिनेट ने पहले ही 3,400 बीघा जमीन हाउसिंग डिपार्टमेंट को ट्रांसफर करने की मंजूरी दे दी है। अगले छह महीनों में और जमीन ली जाएगी और शहर में वर्ल्ड-क्लास सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए जल्द ही कंसल्टेंट नियुक्त किए जाएंगे।़ कैबिनेट मीटिंग के बाद, इंडस्ट्रीज मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा था कि चंडीगढ़ के पास टाउनशिप प्रोजेक्ट के लिए और प्राइवेट या जंगल की जमीन ली जाएगी, जिसमें वर्ल्ड-क्लास सुविधाएं होंगी।

हिमाचल के पास जमीन के दो टुकड़े

हिमाचल के पास जमीन के दो टुकड़े हैं जो चंडीगढ़ के करीब हैं, एक कालाअंब में और दूसरा बद्दी में। राज्य सरकार ने बद्दी को चुना है क्योंकि यह लगभग चंडीगढ़ के साथ सीमा शेयर करता है और साथ ही, इसकी चंडीगढ़ के साथ आसान कनेक्टिविटी भी होगी। शिमला के पीटरहॉफ में राज्य की प्रमुख पहल ़स्वच्छ शहर, समृद्ध शहऱ के तहत ़सिटीजन कनेक्ट प्रोग्राम़ के दूसरे चरण के उद्घाटन के मौके पर बोलते हुए, सुक्खू ने राज्य की आत्मनिर्भरता की यात्रा पर जोर दिया।

75 शहरी निकाय कर रहे काम

उन्होंने कहा कि राज्य में लगातार सकारात्मक बदलाव हो रहे हैं, सरकार बढ़ती आबादी और शहरीकरण की चुनौतियों का सामना करने के लिए समावेशी और टिकाऊ शहरी विकास पर ध्यान दे रही है। मुख्यमंत्री ने शासन को मजबूत करने, नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने और शहरी स्थानीय निकायों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सरकारी पहलों पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि नवंबर 2024 में 60 से बढ़कर अब राज्य भर में 75 मजबूत शहरी स्थानीय निकाय काम कर रहे हैं। शहरी विकास विभाग ने मुख्यमंत्री की उपस्थिति में औद्योगिक घरानों के साथ चार MoU पर भी हस्ताक्षर किए।

कई सो करोड़ खर्च करेगी सरकार

उन्होंने 'हिम सेवा सुविधा पोर्टल' की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह एक ही प्लेटफॉर्म के माध्यम से सभी नागरिक सेवाएं प्रदान करता है, और इसे देश भर में एक अनोखी पहल बताया। उन्होंने मंडी में 400 करोड़ रुपये के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, हमीरपुर में 150 करोड़ रुपये के शहर सौंदर्यीकरण और हमीरपुर में पुराने बस स्टैंड की जगह शॉपिंग कॉम्प्लेक्स सहित प्रमुख शहरी विकास परियोजनाओं पर प्रकाश डाला। 707 करोड़ रुपये की शहरी विकास परियोजनाएं जल्द ही लागू की जाएंगी, साथ ही शिमला में 500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सुविधाएं भी मिलेंगी। शिमला मॉडल के बाद सभी नगर निगमों में यूटिलिटी डक्ट स्थापित किए जाएंगे।

पांच दिवसीय ग्रैंड शॉपिंग एक्सपो कंज्यूमर प्रदर्शनी आज से

- शोमैन एसोसिएट्स नवीनतम कंज्यूमर उत्पादों की विविध श्रृंखला की प्रदर्शनी करेगा प्रस्तुत

लुधियाना/यूटर्न/7 जनवरी। शोमैन एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड श्री दुर्गा माता मंदिर, जगराओं पुल के सामने गर्वनमेंट कालेज फार गर्ल्स के ग्राऊंड में ग्रैंड शॉपिंग एक्सपो के 11वें संस्करण का उद्घाटन करने जा रहा है। यह वीरवार को आम जनता के लिए खुलेगा, जिसमें कंज्यूमर मार्कीट में नवीनतम और सर्वोत्तम डील पेश की जाएगी। अपनी सिल्वर जुबली के अनुभव के साथ शोमैन एसोसिएट्स नवीनतम कंज्यूमर उत्पादों की विविध श्रृंखला वाली एक प्रदर्शनी प्रस्तुत करने की तैयारी कर रहा है। शोमैन ऑर्गनाइजर और ग्रैंड शॉपिंग के सतीश शर्मा ने बताया कि प्रतिष्ठित राष्ट्रीय ब्रांडों के साथ-साथ सम्मानित बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी भाग लेंगी। प्रदर्शनी में जी.एस.ई. 2026 की सबसे बड़ी ग्राऊंड प्रदर्शनी होगी। जिसमें फर्नीचर और डेकोर, कंज्यूमेक्स, फैशन और अपैरल, ब्रांड और कंज्यूमेक्स एक्सपो, फूड और हैल्थ एक्सपो और बहुत कुछ सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश होगी। प्रदर्शनी में

SHOWMAN'S™

ब्रांडेड खाद्य उत्पाद, उपभोक्ता वस्तुएं, सौंदर्य प्रसाधन और डिजाइनर आभूषण, बेकरी और कन्फेक्शनरी, रसोई उपकरण, इलैक्ट्रिकल और इलैक्ट्रॉनिक गैजेट और एक्सेसरीज, स्वास्थ्य सेवा वस्तुएं, संगमरमर कला प्रभाव, घर की सजावट, घरेलू उपकरण, डिजाइनर कपड़े, वस्त्र, कपड़ा, फर्नीचर और फर्निशिंग, आंतरिक और बाहरी उत्पाद, फिटनेस उपकरण, रियल एस्टेट, पुरुषों के डेनिम और पतलून, व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट सेवाएं, सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर और कई अन्य उपभोक्ता केंद्रित श्रेणियों को प्रदर्शित किया जाएगा। यह एग्जीबिशन 08 जनवरी से शुरू होकर 12 जनवरी पांच दिनों के लिए सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक आम जनता के लिए खुला रहेगा, जिसमें 150 से ज्यादा कंपनियां और लगभग 225 स्टॉल कई तरह के अच्छी क्वालिटी के कंज्यूमर प्रोडक्ट्स दिखाएंगे।

पेज 06 मां बगलामुखी यज्ञ करने से प्राप्त होती है सुख...

लुधियाना की मल्हार रोड बनती जा रही है हुक्का बार रोड, पुलिस की रोक के बावजूद धड़ल्ले से हो रहा अवैध कारोबार

लुधियाना, यूटर्न, 07 जनवरी। शहर की मशहूर और पॉश इलाकों में गिनी जाने वाली मल्हार रोड इन दिनों एक नई पहचान के साथ चर्चा में है। अब लोग इसे हहुक्का बार रोडह के नाम से पहचानने लगे हैं। वजह है इस रोड पर तेजी से खुल रही हुक्का सप्लाई से जुड़ी दुकानें, जो न केवल खुलेआम हुक्का बेच रही हैं, बल्कि ऑनलाइन बुकिंग, घर तक डिलीवरी और पार्टियों में स्टॉल लगाने की सुविधा भी दे रही हैं।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मल्हार रोड पर करीब छह से अधिक दुकानें केवल 'चौरसिया पान भंडार' के नाम से संचालित हो रही हैं। इन दुकानों के फेसबुक पेज और सोशल मीडिया अकाउंट्स पर हुक्का ऑनलाइन बुकिंग और पार्टी स्टॉल लगाने का खुला प्रचार किया जा रहा है। यह प्रचार न केवल युवाओं को आकर्षित कर रहा है, बल्कि कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रहा है।

जब इस पूरे मामले को लेकर राम जी चौरसिया से फोन पर संपर्क किया गया, तो उन्होंने बेझिझक हुक्का सप्लाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ₹1500 में हुक्का स्टॉल लगाया जाता है। यदि किसी ग्राहक के पास जगह नहीं है, तो वे रेस्टोरेंट का इंतजाम भी खुद करवा देते हैं। वहीं, अगर कोई व्यक्ति अपने घर पर हुक्का लगवाना चाहता है, तो इसके लिए ₹2500 चार्ज लिया जाता है। बातचीत के दौरान उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इस समय हुक्का की मांग तेजी से बढ़ रही है।

गौरतलब है कि लुधियाना पुलिस प्रशासन द्वारा हुक्का पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद मल्हार रोड के हुक्का व्यापारी न केवल शहर के अलग-अलग रेस्टोरेंट्स, बल्कि निजी पार्टियों और कार्यक्रमों में भी हुक्का सप्लाई कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि कई जगहों पर आधी रात से सुबह तक हुक्का स्टॉल लगे रहते हैं, लेकिन पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस अवैध कारोबार से न केवल युवाओं का भविष्य खतरे में है, बल्कि इलाके की शांति और सामाजिक माहौल भी खराब हो रहा है। लोगों का सवाल है कि जब सोशल मीडिया पर खुलेआम हुक्का सप्लाई का प्रचार हो रहा है, तो पुलिस प्रशासन की नजर इन गतिविधियों पर क्यों नहीं पड़ रही। अब देखने वाली बात यह होगी कि लुधियाना पुलिस और प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर कब संज्ञान लेते हैं और मल्हार रोड को हुक्का बार रोड बनने से बचाने के लिए क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं।

पवन दीवान ने पार्कों की बदहाल स्थिति पर चिंता जताई

कहाः बड़े-बड़े दावे करने वाली नगर निगम लोगों को बुनियादी सुविधाएं देने पर भी ध्यान दे

लुधियाना, यूटर्न, 07 जनवरी। जिला कांग्रेस कमेटी लुधियाना शहरी के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पवन दीवान ने पार्कों की खराब हालत को लेकर नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सुबह-शाम सैर के लिए आने वाले लोगों को गंदगी और अव्यवस्था के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दीवान ने बताया कि सराभा नगर स्थित लेयर वैली, शास्त्री नगर सहित विभिन्न इलाकों में स्थित पार्कों की हालत बेहद दयनीय बनी हुई है। उन्होंने विशेष रूप से नगर निगम जोन-डी कार्यालय के साथ लगती लेयर वैली का उल्लेख किया, जहां कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि यदि नगर निगम अपने कार्यालय के साथ बनी पार्क की ही देखभाल नहीं कर सकती, तो शहर के बाकी हिस्सों का भगवान ही मालिक है। इसके अलावा, उन्होंने शास्त्री नगर और उससे सटे अन्य इलाकों के पार्कों का भी जिक्र किया। दीवान ने कहा कि लोग खुद को स्वस्थ रखने के लिए सुबह-शाम इन पार्कों में सैर करने आते हैं, लेकिन यहां उन्हें गंदगी के ढेरों का सामना करना पड़ता है। दीवान ने कहा कि बड़े-बड़े दावे करने वाले नगर निगम को लोगों की बुनियादी सुविधाओं का भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों से अपील की कि पार्कों की सफाई और व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि यहां आने वाले लोगों को साफ-सुथरा वातावरण मिल सके।

बिजली संशोधन बिल, बीज संशोधन बिल और लेबर कोड बिल के खिलाफ लोगों को किया गया जागरूक

- 16 जनवरी को डीसी कार्यालय का घेराव करेंगे किसान व कर्मचारी संगठन

जीरकपुर, यूटर्न, 07 जनवरी। बिजली संशोधन बिल 2025, बीज संशोधन बिल और लेबर कोड बिल के विरोध में किसानों, मजदूरों और कर्मचारियों ने गांव छत में बैठक कर आम लोगों को जागरूक किया। यह बैठक भारतीय किसान यूनियन (पुआध), टीएसयू, पेंशनर यूनियन और बिजली विभाग की ठेका कर्मचारी यूनियन जीरकपुर की ओर से आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए विभिन्न संगठनों के नेताओं ने इन बिलों को पंजाब और आम जनता के लिए हमारकह बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार इन कानूनों के जरिए किसानों, मजदूरों और कर्मचारियों के हितों पर सीधा हमला कर रही है। नेताओं ने कहा कि इन बिलों से बिजली महंगी होगी, बीजों पर कॉरपोरेट कंपनियों का कब्जा बढ़ेगा और श्रमिकों के अधिकार कमजोर होंगे।

इस मौके पर नेताओं ने जानकारी दी कि 10 जनवरी को गुरुद्वारा साहिब सिंह शहीदां, सोहाणा में सभी संगठनों की एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में आगामी आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। भारतीय किसान यूनियन पुआध के प्रदेश अध्यक्ष तरलोचन सिंह, किसान नेता रुस्तम सेख, टीएसयू नेता राजिंदर कुमार और बिजली विभाग ठेका कर्मचारी यूनियन के नेता एकम सिद्धू (मोहाली) ने ऐलान किया कि 10 जनवरी की बैठक के बाद 16 जनवरी को मोहाली स्थित डीसी कार्यालय का घेराव कर जोरदार रोष प्रदर्शन किया जाएगा और संयुक्त मांग पत्र सौंपा जाएगा।

नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इन बिलों के माध्यम से पंजाब की किसानी, रोजगार, सरकारी संस्थानों और युवाओं को कॉरपोरेट घरानों के हवाले करने की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जैसे पहले तीन काले कृषि कानूनों को एकजुट संघर्ष से वापस कराया गया था, उसी तरह इन बिलों को भी रद्द करवाने के लिए पंजाब भर में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में पूरे पंजाब की विभिन्न जत्थेबंदियां एक साझा मंच बनाकर 16 जनवरी को सभी जिलों में डीसी कार्यालयों का घेराव करेंगी और पंजाब व केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगी। इस दौरान किसान नेता रविंदर सिंह, ठेका कर्मचारी नेता सुखविंदर सिंह, रोहित कुमार और ठेका कर्मचारी यूनियन जीरकपुर के प्रधान अमनिंदर सिंह सहित कई अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

2026 के लिए चंडीगढ़ पुलिस का सख्त एक्शन प्लान तैयार

चंडीगढ़, यूटर्न, 07 जनवरी। वर्ष 2026 को लेकर चंडीगढ़ पुलिस ने व्यापक और आक्रामक एक्शन प्लान तैयार कर लिया है। नशा-मुक्त शहर का लक्ष्य, अपराध पर निर्णायक नियंत्रण, नागरिकों की सुरक्षा को नई ऊंचाइयों तक ले जाना और आधुनिक कानूनों के अनुरूप पुलिसिंग को मजबूत करना इस रणनीतिक रोडमैप की मुख्य प्राथमिकताएं तय की गई हैं। यूटी चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप कौर ने स्पष्ट किया कि पुलिस आने वाले वर्ष में बहुस्तरीय रणनीति के तहत काम करेगी, जिसमें सख्त कार्रवाई, तकनीक का अधिकतम उपयोग और जवाबदेही आधारित पुलिसिंग पर विशेष जोर रहेगा। नए आपराधिक कानून—भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA)—के तहत दर्ज मामलों में सजा दर बढ़ाना पुलिस का प्रमुख लक्ष्य होगा। एसएसपी ने बताया

नशा-मुक्त शहर, अपराध पर लगाम और मजबूत सुरक्षा तंत्र पर फोकस

आदतन अपराधियों पर सख्ती, संगठित अपराध पर प्रहार...रणनीति के तहत आदतन और संगठित अपराधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। हिस्ट्रीशीटरों की नियमित समीक्षा, आपराधिक डोजियर अपडेट और कानूनी प्रावधानों के तहत निवारक कार्रवाई को तेज किया जाएगा। अपराध नियंत्रण के लिए तकनीक और डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से अपराधियों की गतिविधियों की सतत निगरानी की जाएगी।

कि इसके लिए मामलों की समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण जांच, वरिष्ठ अधिकारियों की नियमित निगरानी और जांच अधिकारियों को नए कानूनों एवं अदालती प्रक्रियाओं पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि तकनीकी या प्रक्रियात्मक कमियों के कारण अपराधी कानून से बच न सकें।

नशे के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति...नशा तस्करी और नशे के अवैध कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए जीरो टॉलरेंस नीति लागू की जाएगी। खुफिया सूचनाओं के आधार पर लक्षित कार्रवाई कर नशा तस्करी नेटवर्क को तोड़ा जाएगा और बार-बार अपराध करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। अंतरराज्यीय नशा गिरोहों पर शिकंजा कसने के लिए पड़ोसी राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय को और मजबूत किया जाएगा।

स्ट्रीट क्राइम पर शिकंजा, बीट पुलिसिंग होगी और मजबूत...सड़क अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए बीट पुलिसिंग को सुदृढ़ किया जाएगा। संवेदनशील और अपराध-प्रवण क्षेत्रों में पुलिस की दृश्य मौजूदगी बढ़ाई जाएगी। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरे, ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (ANPR) सिस्टम और स्मार्ट पुलिसिंग तकनीकों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाएगा।

Uturn Time 08 Jan 2026_Page 1-4.qxd 07-01-2026 22:56 Page 4

पंजाब पुलिस की बड़ी कार्रवाई, लुधियाना में टली हत्या की वारदात

खालिस्तान कमांडो फोर्स से जुड़े दो आरोपी दबोचे गए

अजीत झा

मोहाली, यूटर्न, 07 जनवरी। पंजाब पुलिस ने समय रहते कार्रवाई करते हुए लुधियाना में एक बड़ी हत्या की साजिश को नाकाम कर दिया है। स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) मोहाली और काउंटर इंटेलिजेंस लुधियाना की संयुक्त टीम ने खालिस्तान कमांडो फोर्स से जुड़े दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लुधियाना के हैबोवाल कलां निवासी करनबीर सिंह और न्यू शिमलापुरी (मिल्लरगंज) निवासी अवतार सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक 9 एमएम पिस्तौल और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार अवतार सिंह के खिलाफ पहले से ही आर्म्स एक्ट और आईपीसी की विभिन्न धाराओं में कई मामले दर्ज हैं।

डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी विदेश में बैठे हैंडलर्स के संपर्क में थे, जिनका संबंध खालिस्तान कमांडो फोर्स से बताया जा रहा है। ये हैंडलर्स आरोपियों को कट्टरपंथी गतिविधियों के लिए निर्देश दे रहे थे।

जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने लुधियाना में सरकारी और प्रमुख संस्थानों की रेकी की थी। इसके अलावा कुछ चिन्हित व्यक्तियों पर भी नजर रखी जा रही थी और उनके बारे में जानकारियां इकट्ठा की जा रही थीं। सोशल मीडिया के जरिए चरमपंथी सामग्री फैलाने का जिम्मा भी इन्हें सौंपा गया था।

पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच जारी है, जिसमें आरोपियों के आगे-पीछे के नेटवर्क (फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज) का खुलासा होने की संभावना है। आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

इस संबंध में थाना एसएसओसी मोहाली में एफआईआर नंबर 1, धारा 113(5) और 61(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई पंजाब में खालिस्तानी आतंकवाद और नार्को-टेरर नेटवर्क के खिलाफ पुलिस की सख्त रणनीति को दर्शाती है।

पंचकूला MC चुनाव को लेकर वार्ड किए गए आरक्षित; ये वार्ड जनरल कैटेगरी में महिला उम्मीदवारों के लिए रिजर्व

पंचकूला के वार्ड नंबर 1, वार्ड नंबर 2, वार्ड नंबर 11 और वार्ड नंबर 15, इन चार वार्डों को महिला जनरल कैटेगरी सीट घोषित किया गया है। इसी तरह वार्ड नंबर 16 को महिला एससी सीट घोषित किया गया है। जबकि वार्ड नंबर 7 और वार्ड नंबर 17 को एससी सीट घोषित किया गया है। इसी प्रकार वार्ड नंबर 19 को बीसी(ए) महिला और वार्ड नंबर 18 को बीसी (बी) महिला सीट घोषित किया गया है। बता दें कि पंचकूला में कुल 20 वार्ड हैं। बाकी 11 वार्ड चुनाव में उतरने वाले उम्मीदवारों के लिए अन-रिजर्व्ड रहेंगे। वार्डों के आरक्षण के बाद अब पंचकूला में उम्मीदवारों को लेकर राजनीतिक पार्टियों की हलचल तेज होने वाली है।

गौरतलब है कि हाल ही में पंचकूला प्रशासन ने नए सिरे से वार्डबंदी की थी। जिसमें शहर के कुछ इलाके एक वार्ड से दूसरे वार्ड में शामिल किए गए हैं। वार्डबंदी को लेकर कांग्रेस के लोगों ने कुछ चीजों पर अपना ऐतराज भी जताया था। फिलहाल, अब किसी भी समय पंचकूला नगर चुनाव का बिगुल बज सकता है। राज्य चुनाव आयोग की तैयारी भी लगभग पूरी हो चुकी है। पंचकूला के बीजेपी मेयर कुलभूषण गोयल और पार्षदों का तय कार्यकाल खत्म हो गया है। पंचकूला के साथ-साथ अंबाला, सोनीपत में भी नगर निगम का चुनाव होना है। बीजेपी एक बार फिर पंचकूला की छोटी सत्ता पर अपना कब्जा जमाने के लिए पूरी तैयारी में दिख रही है।

मोबाइल से दूरी, मैदान व किताबों से दोस्ती: डीसीपी कार्यालय पहुंचे स्लम एरिया के बच्चे, मिला मार्गदर्शन और प्रेरणा

पंचकूला, यूटर्न, 07 जनवरी। बच्चों को नशे से दूर रखकर खेल-कूद व सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से एक सराहनीय पहल के तहत आज सैक्टर-6 पंचकूला स्थित सरकारी स्कूल एवं खड़क मंगोली के प्राइमरी स्कूल के छात्र सैक्टर-1 स्थित जिला सचिवालय में पुलिस उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और डीसीपी से मुलाकात की। इस अवसर पर बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने बच्चों से आत्मीय बातचीत करते हुए उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद में अधिक ध्यान देने, मोबाइल फोन के अत्यधिक प्रयोग से दूर रहने तथा अपने जीवन के लक्ष्य पर केंद्रित रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक हैं, बल्कि बच्चों को अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास भी सिखाते हैं। डीसीपी ने बताया कि स्वर्गीय श्रीमती शकुंतला देवी मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक मनोज द्वारा बच्चों को नशे की लत से दूर रखने के उद्देश्य से वॉलीबॉल, कबड्डी, रस्सा कस्सी, लॉन्ग जंप, रनिंग सहित विभिन्न खेलों का नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो कि समाज के लिए एक प्रेरणादायक प्रयास है।

कश्मीरी छात्रों से संवाद में डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने साझा किए यूपीएससी सफलता के सूत्र

पंचकूला, यूटर्न, 07 जनवरी। हरियाणा दर्शन यात्रा के तहत कश्मीर से आए छात्र प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को पंचकूला की डीसीपी सृष्टि गुप्ता से उनके कार्यालय में शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने छात्रों से संवाद किया और सिविल सेवा परीक्षा (यूपीएससी) की तैयारी से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने छात्रों को बताया कि किसी भी प्रतिस्पर्धी परीक्षा में सफलता के लिए स्पष्ट लक्ष्य, नियमित अध्ययन, निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा कि यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा भी सही योजना, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच के साथ सफलतापूर्वक पास की जा सकती है। उन्होंने छात्रों को उत्तर लेखन का नियमित अभ्यास करने, समसामयिक विषयों पर पकड़ मजबूत रखने और अध्ययन में निरंतरता बनाए रखने की सलाह दी। डीसीपी ने कहा कि प्रशासनिक सेवाएं न केवल करियर का विकल्प हैं, बल्कि देश और समाज की सेवा का सशक्त माध्यम भी हैं। इस अवसर पर कश्मीरी छात्र प्रतिनिधिमंडल ने संवाद को प्रेरणादायक बताया और डीसीपी सृष्टि गुप्ता का मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। युवा कल्याण संयोजक नरेंद्र सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत हरियाणा दर्शन यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

ठंड और धुंध के चलते पंजाब में 13 जनवरी तक बढ़ी स्कूलों की छुट्टियां

पंजाब/यूटर्न/7 जनवरी। पंजाब में बढ़ती सर्दी और घनी धुंध को देखते हुए राज्य सरकार ने स्कूलों की छुट्टियां एक बार फिर बढ़ा दी हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों अनुसार शिक्षा विभाग ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि राज्य के सभी सरकारी, एडिड, मान्यता प्राप्त और निजी स्कूल 13 जनवरी तक बंद रहेंगे। अब स्कूल 14 जनवरी से सामान्य दिनों की तरह खुलेंगे। बता दें कि इससे पहले प्रदेश में 1 से 7 जनवरी तक स्कूलों की छुट्टियां बढ़ाई गई थीं, लेकिन मौसम में सुधार न होने और लगातार बढ़ती ठंड के कारण सरकार को छुट्टियां आगे बढ़ाने का निर्णय लेना पड़ा। पिछले एक सप्ताह में न्यूनतम तापमान लगातार गिरा है और सुबह-शाम धुंध की स्थिति गंभीर बनी हुई है। ऐसे में बच्चों और स्टाफ की सेहत और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है।

पिडिलाइट इंडस्ट्रीज का पंजाब में ₹300 करोड़ का निवेश

चंडीगढ़, यूटर्न, 07 जनवरी। पंजाब के औद्योगिक परिदृश्य को नई मजबूती देते हुए एडहेसिव और कंस्ट्रक्शन केमिकल्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड राज्य में ₹300 करोड़ की लागत से एक नई निर्माण सुविधा स्थापित करेगी। यह जानकारी पंजाब के उद्योग ,निवेश प्रोत्साहन, बिजली तथा NRI मामलों के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने दी।

प्रस्तावित परियोजना गांव माजरी फकीरां और गांव सोहणे माजरा (उप-तहसील घनौर, राजपुरा, जिला पटियाला) में लगभग 31 एकड़ भूमि पर स्थापित की जाएगी। यह इकाई जल-आधारित एडहेसिव और वॉटरप्रूफिंग उत्पादों के निर्माण पर केंद्रित होगी।

2 लाख मीट्रिक टन वार्षिक उत्पादन क्षमता...कैबिनेट मंत्री ने बताया कि इस सुविधा की कुल प्रस्तावित उत्पादन क्षमता 2,00,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष होगी,

जिसमें 1,40,000 मीट्रिक टन जल-आधारित एडहेसिव उत्पाद 60,000 मीट्रिक टन वॉटरप्रूफिंग उत्पाद शामिल होंगे। यह उत्पादन मुख्य रूप से घरेलू बाजार की मांग को पूरा करेगा, जबकि भविष्य में आसपास के बाजारों में निर्यात की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी।

300 से अधिक रोजगार के अवसर...अरोड़ा ने कहा कि इस परियोजना से लगभग 300 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है, जिनमें कुशल, अर्ध-कुशल और पर्यवेक्षण स्तर की नौकरियां शामिल होंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह इकाई आधुनिक तकनीक, उन्नत मशीनरी और स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण (एचएसई) मानकों के अनुरूप विकसित की जाएगी। मंत्री ने बताया कि यह परियोजना पूरी तरह आंतरिक संसाधनों से वित्तपोषित होगी और इसे दिसंबर 2027 तक वाणिज्यिक उत्पादन के लिए चालू करने का लक्ष्य रखा गया है।

निवेशकों की पसंद बनता पंजाब...संजीव अरोड़ा ने कहा कि यह निवेश पंजाब की मजबूत औद्योगिक आधारभूत संरचना, बेहतरीन कनेक्टिविटी, कुशल मानव संसाधन और सरकार की निवेशक-हितैषी नीतियों पर उद्योग जगत के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राज्य लगातार बड़े औद्योगिक निवेशों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

Uturn Time 08 Jan 2026_Page 1-4.qxd 07-01-2026 22:56 Page 5

पेज 08 पंचायतों से 2027 तक: आप सबसे आगे...

सेक्टर 34 थाना पुलिस ने बीएसएनएल केबल चोरी करने वाले तीन आरोपियों को दबोचा

अजीत झा

चंडीगढ़, यूटर्न, 07 जनवरी। चंडीगढ़ पुलिस ने बीएसएनएल की भूमिगत तांबे की केबल चोरी के मामले का खुलासा कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में चोरी की गई तांबे की केबल, औजार और अन्य सामान बरामद किया है। यह कार्रवाई यूटी चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप कौर, आईपीएस के निदेशों पर, एसपी सिटी केएम प्रियंका और एसडीपीओ साउथ गुरजीत कौर की निगरानी में की गई। सेक्टर-34 थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सतिंदर कुमार के नेतृत्व में एएसआई गुरप्रीत सिंह व पुलिस टीम ने यह सफलता हासिल की।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लवप्रीत उर्फ प्रिंस , मोहम्मद आशिक , और मोहम्मद महफूज आलम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी लवप्रीत उर्फ प्रिंस पहले भी चंडीगढ़ में एक अन्य आपराधिक मामले में संलिप्त पाया गया है। पुलिस ने आरोपियों से बीएसएनएल की चोरी की गई तांबे की केबलें (800 और 1200 पेयर), हथौड़े, लोहे का कटर, छैनी, स्क्रूड्राइवर, रस्सियां, गैती, कुदाल, रिफ्लेक्टर जैकेट और लोहे की रॉड सहित अन्य औजार बरामद किए हैं।

कैसे हुआ चोरी का खुलासा

मामले की शुरूआत 3 जनवरी 2026 को हुई, जब बीएसएनएल के एसडीओपी वीरेंद्र सिंह ने थाना सेक्टर-34 में शिकायत दी। उन्होंने बताया कि सेक्टर-34ए स्थित नाबार्ड कार्यालय के पास भूमिगत डक्ट कवर खुला मिला और निरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में बीएसएनएल की तांबे की केबल चोरी पाए जाने की पुष्टि हुई। जांच के दौरान पुलिस ने 5 जनवरी 2026 को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके बताए अनुसार चोरी का सामान बरामद किया। इसके बाद आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में थाना सेक्टर-34 में एफआईआर नंबर 04, दिनांक 03.01.2026, धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत दर्ज की गई है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपियों का कोई और नेटवर्क या गिरोह तो सक्रिय नहीं है।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मी तेज, गठबंधन की खींचतान में भाजपा अलर्ट मोड में

चंडीगढ़, यूटर्न, 07 जनवरी। नगर निगम मेयर चुनाव से पहले चंडीगढ़ की राजनीति पूरी तरह गर्मा चुकी है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच बना गठबंधन अब अंदरूनी तनाव से गुजरता दिख रहा है, जबकि भारतीय जनता पार्टी हर मोर्चे पर सतर्कता बरत रही है। सियासी गलियारों में जोड़-तोड़, रणनीति और समीकरणों को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं।

सूत्रों के मुताबिक भाजपा ने अपने पार्षदों को लेकर विशेष निगरानी तंत्र सक्रिय कर दिया है। पार्टी नेतृत्व प्रत्येक पार्षद की राजनीतिक स्थिति और रुख की नियमित रिपोर्ट ले रहा है। वरिष्ठ नेता व्यक्तिगत स्तर पर संपर्क साधकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि कोई भी पार्षद विपक्षी खेमे के प्रभाव में न आए। हाल के दिनों में आम आदमी पार्टी की दो पार्षदों के भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी अतिरिक्त सतर्कता बरत रही है।

29 जनवरी का चुनाव बना सियासी परीक्षा...29 जनवरी को होने वाले मेयर चुनाव को लेकर नगर निगम में हलचल चरम पर है। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों ही रणनीतिक बैठकों और संभावित गठबंधनों को लेकर लगातार मंथन कर रहे हैं। मौजूदा संख्या बल को देखते हुए चुनाव बेहद नजदीकी माना जा रहा है, जहां एक वोट भी नतीजा बदल सकता है।

इसी बीच भाजपा चंडीगढ़ प्रदेशाध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा की नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व से हुई मुलाकात को भी राजनीतिक तौर पर अहम माना जा रहा है। इस बैठक में संगठनात्मक मजबूती और नगर निगम की रणनीति पर चर्चा होने के संकेत मिल रहे हैं, जिससे साफ है कि पार्टी शीर्ष स्तर पर चुनाव को लेकर गंभीर है।

सोशल मीडिया पर भिड़े आप-कांग्रेस नेता...मेयर चुनाव से पहले आप और कांग्रेस के बीच तनाव अब सार्वजनिक हो गया है। दोनों दलों के नेता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करते नजर आए। इस जुबानी जंग ने विपक्षी एकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि गठबंधन की दरार और गहरी हुई तो साझा उम्मीदवार तय करना मुश्किल हो सकता है। इसका सीधा असर आप और कांग्रेस के पार्षदों के मनोबल पर भी पड़ सकता है। वहीं इस हालात से भाजपा को राजनीतिक बढ़त मिलने की संभावना जताई जा रही है।

कुल मिलाकर, मेयर चुनाव से पहले चंडीगढ़ की राजनीति अनिश्चितता और रणनीतिक चालों के दौर से गुजर रही है, जहां हर कदम और हर बयान का सियासी मायने निकाले जा रहे हैं।

चंडीगढ़ को कचरा मुक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम, डडूमाजरा में 20 जनवरी को नए गार्बेज प्लांट का शिलान्यास

चंडीगढ़, यूटर्न, 07 जनवरी। डडूमाजरा डंपिंग ग्राउंड में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन नया गार्बेज प्रोसेसिंग प्लांट लगाएगी। 20 जनवरी को प्रशासक गुलाब चंद कटारिया इस प्लांट का शिलान्यास करेंगे। इसको देखते हुए 21 तक डंप पुराना कचरा हटाया जाएगा। नगर निगम ने प्रशासन को इस संबंध में जानकारी दी है। मेयर हरप्रीत कौर बबला ने बताया कि डंपिंग जोन से कूड़ा हटाने का काम लगभग पूरा हो चुका है और अगले 15 दिनों में 100 प्रतिशत कूड़ा साफ कर लिया जाएगा।

मेयर ने कहा कि लंबे समय से यह डंपिंग जोन नगर निगम के लिए सबसे बड़ी समस्या बना हुआ था। यहां जमा कूड़े को लेकर समय समय पर सवाल उठते रहे हैं। इस मुद्दे पर संसद में भी प्रश्न पूछे जा चुके हैं। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की ओर से नगर निगम पर कई बार जुमार्ना लगाया जा चुका है। इसके बावजूद कूड़ा हटाने की प्रक्रिया तय समय में पूरी नहीं हो पाई।

अब तक नगर निगम करीब पांच बार डेडलाइन तय कर चुका है लेकिन हर बार तय तारीख तक कूड़ा हटाने का लक्ष्य पूरा नहीं हो सका। इसकी वजह तकनीकी दिक्कतें और कूड़े की बड़ी मात्रा बताई जाती रही है। हालांकि इस बार नगर निगम का दावा है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और काम अंतिम चरण में पहुंच गया है।

पिछले दिनों पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया ने भी दद्दू माजरा डंपिंग जोन का दौरा किया था। उस दौरान उन्होंने अधिकारियों को कूड़े के पहाड़ को जल्द से जल्द खत्म करने के निर्देश दिए थे। राज्यपाल के निदेशों के बाद निगम ने काम की रफ्तार तेज की।नगर निगम का कहना है कि डंपिंग जोन से कूड़ा हटने के बाद आसपास के लोगों को बदबू और स्वास्थ्य समस्याओं से राहत मिलेगी। साथ ही शहर की स्वच्छता व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

मोहाली में पूर्व AAG की पत्नी की हत्या का मामला: तीसरा आरोपी गिरफ्तार, सोने के गहने बरामद

मोहाली, यूटर्न, 07 जनवरी। फेज-5 में हुई पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता (AAG) की पत्नी की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के कब्जे से मृतका के सोने के गहने बरामद किए गए हैं। डीएसपी सिटी-1 पृथ्वी सिंह ने बताया कि 29/30 दिसंबर 2025 की रात फेज-5 स्थित मकान नंबर 1764 में कुछ नकाबपोश युवक घुस आए थे। घर में अकेली मौजूद पूर्व एएजी कृष्ण कुमार गोयल की पत्नी अशोक गोयल की आरोपियों ने गला घोंटकर हत्या कर दी थी। वारदात के बाद आरोपी घर से नकदी और कीमती सामान लेकर फरार हो गए थे। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल कॉल डिटेल्स और अन्य तकनीकी सबूतों के आधार पर जांच शुरू की। 30 दिसंबर को थाना संबंधित में एफआईआर नंबर 310 दर्ज की गई, जिसमें भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 331(बी), 103, 311 और 3 लगाई गई। जांच के दौरान पुलिस ने सबसे पहले घर के नौकर, उत्तर प्रदेश के धर्मपुर निवासी नीतन सिंह को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर हत्या और लूट की वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की। इसके बाद पुलिस टीम ने धर्मपुर में दबिश देकर उसके भाई गुरदास सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने 7 जनवरी को तीसरे आरोपी सुखदीप सिंह उर्फ अरमन बटाला को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से मृतका के कुछ सोने के गहने बरामद किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में और भी आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकती है। फिलहाल सभी आरोपी पुलिस हिरासत में हैं और उनसे गहन पूछताछ की जा रही है।

एनआईए कोर्ट का बड़ा कदम, गोल्डी बराड़ भगौड़ा घोषित

चंडीगढ़, यूटर्न, 07 जनवरी। आतंकी गतिविधियों और संगठित अपराध से जुड़े एक अहम मामले में चंडीगढ़ की विशेष एनआईए अदालत ने कुख्यात गैंगस्टर व आतंकी सतविंदर सिंह उर्फ सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ को भगौड़ा घोषित कर दिया है। अदालत ने उसे 30 दिनों के भीतर पेश होने का अंतिम अवसर दिया है। विशेष एनआईए न्यायाधीश भावना जैन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 84 के तहत यह आदेश जारी किया। अदालत ने स्पष्ट किया कि आरोपी के खिलाफ पहले ही गैर-जमानती वारंट जारी किए जा चुके थे, लेकिन वह जानबूझकर गिरफ्तारी से बचता रहा और फरार है। एनआईए की रिपोर्ट से संतुष्ट होकर अदालत ने भगौड़ा घोषित करने की कार्रवाई को उचित ठहराया।

यह मामला एनआईए द्वारा 8 मार्च 2024 को दर्ज किया गया था, जिसकी मूल एफआईआर 20 जनवरी 2024 को चंडीगढ़ के एक थाने में दर्ज हुई थी। केस में आईपीसी की धाराएं 120-बी (आपराधिक साजिश), 336 (लापरवाही से जान को खतरा), 384 (जबरन वसूली) और 506 (आपराधिक धमकी) लगाई गई हैं। इसके अलावा यूएपीए और आर्म्स एक्ट की गंभीर धाराएं भी शामिल हैं। अदालत के आदेश के अनुसार गोल्डी बराड़ को भगौड़ा घोषित किए जाने की तारीख से 30 दिन के भीतर, यानी 27 फरवरी 2026 तक अदालत में पेश होना होगा। तय समय पर पेश न होने की स्थिति में उसके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें उसकी चल-अचल संपत्तियों की कुर्की भी शामिल हो सकती है। एनआईए सूत्रों के अनुसार गोल्डी बराड़ को कनाडा से भारत लाने की कोशिशें तेज कर दी गई हैं। उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षो में पंजाब पुलिस के इनपुट पर केंद्रीय एजेंसियां कई कुख्यात गैंगस्टरों को विदेशों से भारत लाने में सफल रही हैं। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मास्टरमाइंड अनमोल बिश्नोई की वापसी भी इसी का उदाहरण है। गोल्डी बराड़ का नाम जबरन वसूली, हत्या की साजिश, धमकी और अवैध हथियारों से जुड़े कई मामलों में सामने आ चुका है।

Happy Birthday

Janvi

Happy Birthday

Gursahib Singh

मां बगलामुखी यज्ञ करने से प्राप्त होती है सुख-समृद्धि व होता है आध्यात्मिक विकास : विकास नाथ जी

लुधियाना, यूटर्न, 07 जनवरी। पक्खोवाल रोड स्थित मां बगलामुखी धाम में 243 घंटे के अखंड महायज्ञ की तैयारियां जोरो शोरो से चल रही है। 11 फरवरी से 21 फरवरी,2026 तक आयोजित होने वाले अखंड महायज्ञ का निमंत्रण धाम प्रमुख महंत प्रवीण जी ने राजस्थान में विकास नाथ जी,स्मृति नाथ जी,बाई सा राज राजेश्वरी जी,देवनाथ जी सहित संत समाज को भाव सहित दिया । इस अवसर पर उनके साथ धाम के सेवक गौतम सचदेवा, नरिन्द्र महाजन, अंकुश बांसल व अन्य भी उपस्थित थे । विकास नाथ जी ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए कहा कि मां बगलामुखी यज्ञ करने से सुख व समृद्धि की प्राप्ती होती है । इसके साथ साथ आध्यात्मिक विकास होता है । मां बगलामुखी शत्रुओं से रक्षा करती है और शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। बाईसा राज राजेश्वरी जी ने कहा कि अखंड महायज्ञ देश की सुख शांति व समृद्धि के लिए फलदायक होगा । अखंड महायज्ञ की जानकारी देते हुए महंत प्रवीण ने कहा कि अखंड महायज्ञ में हरेक मां भक्त आकर यज्ञ में आहुतियां डालने के तत्पर हो रहा है । अखंड महायज्ञ का निमंत्रण हर घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से धाम के सेवक मां के भक्तों को मां का बुलावा भेंट कर रहे है । आखंड महायज्ञ में देश-भर से संत समाज उपस्थित होकर प्रवचनों के माध्यम से भक्तों को पावन आशीर्वाद देगा।

विकास नाथ जी एवं स्मृति नाथ जी को अखंड महायज्ञ का निमंत्रण देते हुए महंत प्रवीण जी, गौतम सचदेवा, नरिंदर महाजन एवं अंकुश बंसल।

देव नाथ जी

बाई सा राज राजेश्वरी जी

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

नाटो को विश्व की चिंता इतनी देर से क्यों हुई ?

नाटो (नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन) स्वयं को विश्व शांति और सुरक्षा का रक्षक बताता है और अब उसे विश्व की इतनी चिंता सता रही है जब पूरा विश्व युद्ध की आग में झुलस रहा है। लेकिन यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि उसे विश्व की चिंता इतनी देर से क्यों हुई जब कई देशों ने अपनी हदें पार कर दी हैं। शीत युद्धके बाद से लेकर आज तक नाटो की भूमिका अक्सर अमेरिका के हितों के इर्द-गिर्द घूमती दिखाई देती है। इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया जैसे देशों में अमेरिका के नेतृत्व में की गई सैन्य कार्रवाइयों ने न केवल उन देशों को अस्थिर किया, बल्कि वैश्विक शांति के लिए भी गंभीर खतरे पैदा किए। इन युद्धों में अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अनदेखी हुई, निर्दोष नागरिकों की जान गई और लाखों लोग शरणार्थी बनने को मजबूर हुए। इसके बावजूद नाटो ने लंबे समय तक मौन बनाए रखा या अमेरिका के कदमों का समर्थन किया। अब जब अमेरिका अपनी सीमाएँ लांघ चुका है और उसकी नीतियों के दुष्परिणाम पूरी दुनिया पर पड़ रहे हैं, तबनाटो को ₹विश्व की चिंता₹ सताने लगी है। यह चिंता यदि पहले दिखाई देती, तो शायद कई युद्ध टाले जा सकते थे। आज आवश्यकता है कि नाटो किसी एक देश के प्रभाव से बाहर निकलकर निष्पक्ष रूप से कार्य करे, अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करे और वास्तव में विश्व शांति की दिशा में ठोस कदम उठाए। तभी उसकी विश्वसनीयता बनी रह सकती है।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

Traffic Accident के बाद मौके पर क्या करें, क्या न करें?

सड़क दुर्घटना के बाद सबसे आम समस्या घबराहट होती है। लोग समझ नहीं पाते कि तुरंत क्या किया जाए, किससे बात करें और कहाँ तक रुकना जरूरी है। कई बार गलत कदम स्थिति को और बिगाड़ देते हैं, जबकि थोड़ी समझदारी से बड़ा कानूनी झंझट टाला जा सकता है।

दुर्घटना होते ही सबसे पहली प्राथमिकता मानव सुरक्षा होनी चाहिए। अगर कोई घायल है, तो उसे सुरक्षित जगह पर मदद पहुँचाना और आवश्यकता होने पर एम्बुलेंस या पुलिस को सूचना देना जरूरी है। वाहन हटाने या बहस करने से पहले यह देखना ज्यादा अहम है कि किसी की जान को खतरा तो नहीं है।

मौके पर शांत रहना बेहद जरूरी है। गुस्से, आरोप-प्रत्यारोप या भीड़ के दबाव में आकर बहस करने से मामला बिगड़ सकता है। सड़क सार्वजनिक स्थान है, और वहाँ होने वाला हंगामा स्थिति को कानूनी विवाद में बदल देता है। जितना संभव हो, स्थिति को सामान्य रखने की कोशिश करनी चाहिए।

यह भी जरूरी है कि बिना सोचे-समझे अपनी गलती स्वीकार न की जाए और न ही किसी दबाव में बयान दिया जाए। अगर संभव हो, तो वाहन की स्थिति, समय और स्थान का रिकॉर्ड रखा जा सकता है। वहीं, मौके से भाग जाना सबसे बड़ी गलती मानी जाती है। इससे मामला और गंभीर हो सकता है, भले ही दुर्घटना मामूली ही क्यों न हो।

छोटी दुर्घटनाओं में लोग अक्सर तुरंत समझौता करने की कोशिश करते हैं। यह तभी ठीक है जब स्थिति शांत हो, कोई घायल न हो और दोनों पक्ष सहमत हों। लेकिन अगर विवाद बढ़ रहा हो या कोई असहज स्थिति बने, तो पुलिस को सूचना देना ही सही कदम होता है। यह न तो कमजोरी है, न ही परेशानी बुलाना—बल्कि कानून के अनुसार सुरक्षित रास्ता है।

निष्कर्ष : Traffic Accident के बाद समझदारी सबसे बड़ा बचाव है। घबराहट, गुस्सा या जल्दबाजी से लिया गया फैसला बाद में भारी पड़ सकता है। शांति, मानवीय रवैया और सही प्रक्रिया का पालन न केवल स्थिति संभालता है, बल्कि अनावश्यक कानूनी उलझनों से भी बचाता है। जागरूक नागरिक वही है जो दुर्घटना के बाद सही कदम उठाना जानता हो।

एस.एस. खुराना के संयोजन में महामाई की चौकी में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

लुधियाना/यूटर्न/7 जनवरी। लुधियाना के श्री दुर्गा माता मंदिर ट्रस्ट, लुधियाना की ओर से श्री दुर्गा माता मंदिर, जगराओं पुल में नव वर्ष के शुभ आगमन पर महामाई की भव्य चौकी का आयोजन बड़े ही श्रद्धा और धूमधाम से किया गया। इस धार्मिक आयोजन का संयोजन अंसल एस्टेट साऊथ सिटी के एस.एस. खुराना एवं गीतांजलि खुराना द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत एस.एस. खुराना एवं गीतांजलि खुराना परिवार द्वारा विधिवत ज्योति पूजन के साथ की गई। इसके पश्चात विशेष रूप से देव चंचल एंड पार्टी (ऑस्ट्रेलिया) द्वारा माँ दुर्गा का भावपूर्ण गुणगान किया गया। चौकी के दौरान श्रद्धालु माता रानी की भक्ति में झूमते नजर आए। इस दौरान एस.एस. खुराना ने कहा कि नववर्ष सभी के लिए सुख, शांति और खुशहाली लेकर आए, यही महामाई से उनकी सच्ची प्रार्थना है। इस मौके पूर्व मंत्री भारत भूषण आशु, मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन दर्शन लाल बवेजा, पंजाब अल्पसंख्यक आयोग मेंबर राजेश जैन बॉबी, एडवोकेट परोपकार सिंह घुमन, एडवोकेट वरिंदर शर्मा बॉबी, समाज सेवक विकास गोयल विक्की, केबी टायर्स से विजय बवेजा, पार्षद शाम सुंदर मल्होत्रा, पूर्व पार्षद यशपाल चौधरी, श्री गोविंद गौधाम से सुंदर दास धमीजा, अशोक धवन, समाज सेवक बिट्टू गुंबर, श्री तिरुपति बाला जी ट्रस्ट लुधियाना से संजीव शेरू सचदेवा, फोमेरा वेंचर्स से अरुण बवेजा, केवल बुद्धिराजा, अतुल सहगल, मोहन लाल गुप्ता, संजीव अरोड़ा रिंकू, जोगिंदर नैय्यर, अविनाश गुप्ता, राजन सिंगला, मुकेश सूद, पूर्व पार्षद सुनील कपूर, अजय ढंड, मनोज गुप्ता, पृथ्वीपाल सिंह बाबा, महेश परूथी, सुनील मल्होत्रा, ईशान शर्मा, मंदिर कमेटी से सेकेट्री अश्वनी जैन, वरिंदर मित्तल, बलबीर गुप्ता, अशोक द्विवेदी, कुंवर रंजन, भूपिंदर रॉकी, अविनाश सिक्का आदि उपस्थित रहे।

Uturn Time 08 Jan 2026_Page 1-4.qxd 07-01-2026 22:56 Page 7

जीरकपुर फ्लाईओवर के नीचे अवैध डेरों पर सख्त कार्रवाई की मांग, नगर परिषद ने पुलिस को लिखा पत्र

जीरकपुर, यूटर्न, 07 जनवरी। शहर में अवैध अतिक्रमण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। जीरकपुर फ्लाईओवर के नीचे कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से अस्थायी डेरा डालकर रहने का मामला सामने आया है, जिस पर नगर परिषद ने कड़ा रुख अपनाया है। नगर परिषद के अनुसार फ्लाईओवर के नीचे रखे गए ये अवैध डेरे न केवल शहर की सुंदरता को खराब कर रहे हैं, बल्कि यातायात, स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था के लिए भी बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं।

नगर परिषद का कहना है कि इन डेरों में रह रहे कुछ लोग राहगीरों को गुमराह कर सार्वजनिक स्थानों पर भीख मांगने और संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त पाए गए हैं। इससे आसपास के क्षेत्र में असुरक्षा का माहौल बन रहा है और आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। फ्लाईओवर के नीचे इस तरह का अवैध कब्जा किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकता है, क्योंकि यह स्थान पहले से ही यातायात की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है।

नगर परिषद ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थलों पर इस प्रकार का अतिक्रमण सरकारी नियमों और निदेर्शों का खुला उल्लंघन है। फ्लाईओवर के नीचे रहना न केवल स्वयं वहां रहने वालों के लिए जोखिम भरा है, बल्कि इससे असामाजिक तत्वों को भी पनपने का मौका मिलता है। परिषद का मानना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है।

इसी को लेकर नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी परविंदर सिंह भट्टी ने थाना जीरकपुर के एस.एच.ओ. को एक औपचारिक पत्र लिखकर मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। पत्र में अवैध डेरों को हटाने और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। नगर परिषद ने पुलिस से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि संयुक्त कार्रवाई से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है। नगर परिषद का कहना है कि शहर में सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त रखना उनकी प्राथमिकता है, ताकि नागरिकों को सुरक्षित, स्वच्छ और सुचारु यातायात व्यवस्था मिल सके। अब देखना यह होगा कि पुलिस प्रशासन इस पत्र पर कितनी शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई करता है।

पूर्व कबड्डी प्लेयर गगनदीप का हुआ अंतिम संस्कार

दो साल के मासूम ने दी अपने पिता की चिता को अग्नि, पारिवारिक मेंबरों ने जताया पुलिस कार्रवाई पर भरोसा

राज बब्बर, रजनीश बंसल

जगराओं/यूटर्न/7 जनवरी। जगराओं के गांव मानूके में कल मारे गए पूर्व कबड्डी खिलाड़ी और हलका विधायक सरबजीत कौर मानूके के भतीजे गगनदीप सिंह का अंतिम संस्कार मानूके गांव में किया गया। इस मौके पर मृतक गगनदीप सिंह के छोटे बेटे सिम्ब ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। इस मौके पर मृतक के भाई परगट सिंह और परिवार के दूसरे लोगों ने कहा कि वे पुलिस की अब तक की कार्रवाई से खुश हैं और इसीलिए उन्होंने आज मृतक का अंतिम संस्कार किया है। इस मौके हठूर थाना पुलिस के एसएचओ कुलदीप सिंह ने बताया कि इस मर्डर केस में कातिलों को पनाह देने वाली एक महिला समेत चार और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि इसी केस में पहले भी एक गिरफ्तारी हो चुकी थी। इस तरह पुलिस ने यह भी कन्फर्म किया कि इस मर्डर केस में अब तक कुल 6 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। थाना हठूर पुलिस ने सबसे पहले इस मामले में गुरदीप सिंह को काबू किया और बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर मृतक गगनदीप सिंह के कातिलों को पनाह देने वाली गगनदीप कौर, प्रभजोत सिंह, जसप्रीत सिंह, बलविंदर दास और सुखदेव सिंह को भी काबू करके आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सबूत होने के बावजूद पुलिस का व्यवहार पक्षपातपूर्ण - संघर्ष कमेटी

चरणजीत सिंह चन्न

जगरांव/यूटर्न/7 जनवरी। गैर-कानूनी हिरासत में पुलिस के अत्याचार के खिलाफ चार साल से सिटी पुलिस स्टेशन के सामने चल रहा विरोध अभी भी जारी है। इस समय विरोध कर रहे संगठनों के सदस्य और पीड़ित परिवार, ग्रामीण कर्मचारी सभा के अध्यक्ष और संघर्ष कमेटी के एडमिनिस्ट्रेटिव सेक्रेटरी निर्मल सिंह धालीवाल, श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार कमेटी के अध्यक्ष जसप्रीत सिंह ढोलन, ग्रामीण कर्मचारी यूनियन के नेता बलदेव सिंह जगरांव, शिकायतकर्ता इकबाल सिंह रसूलपुर, पीड़ित मां सुरिंदर कौर रसूलपुर ने आरोप लगाया कि उस समय के कथित पुलिस स्टेशन चीफ गुरिंदर बल द्वारा गैर-कानूनी हिरासत में किए गए अत्याचारों के शुरूआती सबूत होने के बावजूद पुलिस अधिकारियों का पक्षपातपूर्ण व्यवहार साफ दिखता है। उन्होंने कहा कि अधिकारी जानबूझकर सबूतों को नजरअंदाज कर रहे हैं और झूठी रिपोर्ट पेश कर रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी आरोपियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। एक अलग बयान में दशमेश किसान मजदूर यूनियन के सेक्रेटरी जसदेव सिंह लालटन और कीर्ति किसान यूनियन के जिला प्रेसिडेंट साधु सिंह अचरवाल ने पक्षपाती पुलिस अधिकारियों से पूछा कि आखिर किस जुर्म में पीड़ित मां सुरिंदर कौर और छोटी लड़की कुलवंत कौर को उनके घर से किडनैप किया गया? गौरतलब है कि कथित थाना चीफ गुरिंदर बल ने जातिगत नफरत की साजिश के तहत एक के बाद एक दो अनुसूचित जाति के परिवारों को उनके घरों से जबरदस्ती किडनैप किया और पहले मां सुरिंदर कौर और बेटी कुलवंत कौर को गैर-कानूनी हिरासत में रखकर उन पर अमानवीय अत्याचार और जुल्म किए। इस समय, शिकायत करने वाले इकबाल सिंह रसूलपुर, सरूप सिंह, बाबा बुध सिंह रतन, अमृतपाल सिंह फेरूराई, करमजीत कौर, मलकियत सिंह, बलजीत सिंह, माता सुरिंदर कौर रसूलपुर भी मौजूद थे।

लोक सेवा सोसाइटी की नई बनी टीम के प्रधान मदन लाल की अगुवाई में हुई पहली मीटिंग

राज बब्बर,रजनीश बांसल

जगराओं/यूटर्न/7 जनवरी। जगराओं की समाज सेवी संस्था लोक सेवा सोसाइटी जगराओं के साल 2026 के जनरल हाउस की पहली मीटिंग फ्रेंड्स रेस्टोरेंट जगराओं में चेयरमैन गुलशन अरोड़ा और प्रेसिडेंट मदन लाल अरोड़ा की अध्यक्षता में हुई। इस जर्नल हाउस की पहली मीटिंग में आने वाले समाज सेवी कामों की लिस्ट बनाने के अलावा पिछले साल के अकाउंट्स का भी रिव्यू किया गया। इस मीटिंग में कैशियर सुनील बजाज और प्रोजेक्ट कैशियर राजीव गुप्ता ने लोक सेवा सोसाइटी द्वारा साल 2025 में समाज सेवा के कामों पर किए गए खर्च का हिसाब मीटिंग में बड़े विस्तार से पेश किया, जिस पर मौजूद मेंबर्स ने सहमति जताई और आने वाले साल 2026 में समाज सेवा के कामों पर और भी ज्यादा खर्च करने की उम्मीद जताई। इस मौके पर चेयरमैन गुलशन अरोड़ा ने कहा कि सोसाइटी ने जनवरी में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के मौके पर निकाले गए नगर कीर्तन के दौरान लड्डू बांटकर समाज सेवा के कामों की शुरूआत की है और इस महीने कई समाज भलाई के कार्य किए जाएंगे। इस मौके पर प्रोजेक्ट चेयरमैन मनोहर सिंह टक्कर, सेक्रेटरी डॉ. कुलभूषण गुप्ता, कैशियर सुनील बजाज, प्रोजेक्ट कैशियर राजीव गुप्ता, वाइस चेयरमैन सुखजिंदर सिंह ढिल्लों और कंवल कक्कड़, पीआरओ नीरज मित्तल, सुखदेव गर्ग और प्रिंसिपल चरणजीत सिंह भंडारी, मुकेश गुप्ता, प्रेम बंसल, सुमित कुमार, संजय बंसल, संजू बंसल, योगराज गोयल, दिवाकर जैन, इकबाल सिंह कटारिया, विकास कपूर, बिक्रम बंसल, डॉ. गुरदर्शन मित्तल, राजीव मित्तल, मनोज मित्तल, डॉ. भारत भूषण बंसल, सतीश कटारिया, कपिल शर्मा, आरके गोयल वगैरह सोसायटी सदस्य मौजूद थे।

Uturn Time 08 Jan 2026_Page 1-4.qxd 07-01-2026 22:56 Page 8

यूटर्न टाइम

पंचायतों से 2027 तक: आप सबसे आगे, बीजेपी-शिअद का गणित कांग्रेस से बेहतर, फूट के कारण विपक्ष को पार पाना मुश्किल

चंडीगढ़/यूटर्न/7 जनवरी। पंजाब में हाल ही में हुए जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के नतीजों ने 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले एक साफ राजनीतिक संदेश दिया है। आम आदमी पार्टी (आप) मजबूती से टॉप पर बनी हुई है, जबकि कांग्रेस काफी पीछे दूसरे नंबर पर है। खास बात यह है कि आंकड़े बताते हैं कि अगर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) एक साथ आते हैं, तो वे वोट शेयर के मामले में कांग्रेस से आगे निकल सकते हैं। हालांकि, अगर दोनों पार्टियां अलग-अलग चुनाव लड़ती हैं, तो उन्हें मुख्य चुनावी दौड़ से बाहर होने का खतरा है, और आप ग्रामीण पंजाब में अपना दबदबा बनाए रखेगी।

आप को ग्रामीण इलाकों में मिल रहा समर्थन

राजनीतिक विश्लेषक इन ग्रामीण स्थानीय निकाय चुनावों को 2027 के विधानसभा चुनाव की प्रस्तावना के रूप में देख रहे हैं, जो मतदाताओं के मूड, खासकर ग्रामीण इलाकों में, के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देते हैं। डेटा से पता चलता है कि आप को ग्रामीण इलाकों में व्यापक समर्थन मिल रहा है, जिससे पंजाब की राजनीति में उसकी स्थिति और मजबूत हुई है। पंजाब के एक जाने-माने राजनीतिक विश्लेषक सुखविंदर सिंह कहते हैं, 'बीजेपी और शिअद का एक साथ आना जरूरी है। नहीं तो, अगले पांच सालों के लिए दोनों पार्टियों का खेल खत्म हो जाएगा और उसके बाद क्या होगा, कौन जानता है?'

लुधियाना निगम में विपक्ष को ज्यादा वोट मिले, नहीं अदा कर पाए रोल

लुधियाना नगर निगम का उदाहरण इस राजनीतिक गणित की एक जमीनी तस्वीर पेश करता है। नगर निगम चुनावों में आप सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी, लेकिन कांग्रेस और बीजेपी दोनों को मिलाकर आप से ज्यादा पार्षद मिले थे। चुनाव नतीजों के अनुसार, करीब 95 सदस्यीय सदन में आप के लगभग 48 पार्षद थे, जबकि कांग्रेस के करीब 30 और बीजेपी के लगभग 19 पार्षद चुने गए थे। इसके बावजूद, कांग्रेस और बीजेपी मिलकर भी न तो कोई प्रभावी विपक्ष खड़ा कर पाई और न ही नगर निगम के कामकाज पर कोई ठोस राजनीतिक दबाव बना सकीं। यह असमर्थता बताती है कि केवल संख्याबल होना ही काफी नहीं, बल्कि रणनीतिक एकजुटता और स्पष्ट राजनीतिक दिशा का अभाव विपक्ष को निष्क्रिय बना देता है, एक स्थिति जिसका लाभ सीधे तौर पर आप को मिला।

आप ने जिला परिषद चुनावों में ३8.1६ प्रतिशत वोट ली

पंजाब राज्य चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किए गए आंकड़ों के अनुसार, आप ने जिला परिषद चुनावों में कुल वोटों का 38.16 प्रतिशत हासिल किया। कांग्रेस को 27.14 प्रतिशत वोट मिले, जबकि शिअद को 22.52 प्रतिशत वोट मिले। राज्य में पहली बार ग्रामीण स्थानीय निकाय चुनाव लड़ रही बीजेपी को 6.39 प्रतिशत वोट मिले, और बहुजन समाज पार्टी (इरढ) को 1.46 प्रतिशत वोट मिले।

शिअद व बीजेपी का वोट शेयर रहा २९ प्रतिशत

शिअद और बीजेपी का कुल वोट शेयर लगभग 29 प्रतिशत रहा, जो कांग्रेस से थोड़ा ज्यादा है। यह गणित उन अटकलों के बीच महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या पूर्व सहयोगी, जो 2020 के किसान आंदोलन से पहले अलग हो गए थे, फिर से गठबंधन कर सकते हैं। ग्रामीण नतीजों से पता चलता है कि फिर से साथ आने से शिअद-बीजेपी गठबंधन कांग्रेस के खिलाफ एक गंभीर दावेदार बन सकता है, हालांकि अभी भी आप के बड़े समर्थन आधार से काफी पीछे है।

विपक्षी पार्टियों के लिए कई चुनौतियां

कांग्रेस के लिए, नतीजे मुख्य विपक्षी पार्टी होने के बावजूद, सुधार के बजाय ठहराव का संकेत देते हैं। शिअद और बीजेपी के लिए, यह फैसला इस बात को पुख्ता करता है कि अकेले चुनाव लड़ने से उनके मौके सीमित हो सकते हैं, जबकि एक संयुक्त रणनीति उनकी प्रासंगिकता को फिर से ज़िंदा कर सकती है। जैसे-जैसे पार्टियां अपनी रणनीतियों पर फिर से विचार कर रही हैं, ग्रामीण जनादेश ने एक बात साफ कर दी है : आप को हराना मुश्किल है, और विरोधियों के बीच एकता ही एक विश्वसनीय चुनौती पेश करने का एकमात्र तरीका हो सकता है।

इस पार्टी को मिले इतने वोट

कुल आंकड़ों में, जिला परिषद चुनावों में 58.09 लाख वोटों में से, आप को 22.17 लाख वोट मिले। कांग्रेस को 15.77 लाख वोट, शिअद को 13.08 लाख और बीजेपी को 3.71 लाख वोट मिले। बीएसपी को 85,059 वोट मिले, जबकि निर्दलीय उम्मीदवारों को मिलाकर 2.14 लाख वोट मिले। 2,11,857 वोट रद्द कर दिए गए। पंचायत समिति चुनावों में भी आप का दबदबा कायम रहा। सत्ताधारी पार्टी को 37.66 प्रतिशत वोट मिले, जो 21.33 लाख से ज्यादा वोटों के बराबर है। कांग्रेस 27.74 प्रतिशत (15.71 लाख वोट) के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि शिअद 20.33 प्रतिशत (11.51 लाख वोट) पर खिसक गई। बीजेपी ने 6.41 प्रतिशत वोटों के साथ अपनी मौजूदगी बनाए रखी, जो 3.63 लाख वोटों के बराबर है। बीएसपी को 75,052 वोट मिले, सीबीएल को 1,008 वोट मिले, और निर्दलीय उम्मीदवारों को 3.37 लाख वोट मिले। कुल मिलाकर, पंचायत समिति चुनावों में 56.63 लाख वैध वोट डाले गए, जबकि 1.92 लाख वोट रद्द कर दिए गए।

खेतों की मिट्टी से सेवा के शिखर तक: पवन कुमार शर्मा की प्रेरक यात्रा

चंडीगढ़, यूटर्न, 07 जनवरी। राजस्थान के झुंझुनू जिले की गुढ़ा तहसील के छोटे से गाँव ऋषिया की ढाणी में जन्मे पवन कुमार शर्मा ने सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बीच संघर्ष को अपना मार्ग बनाया और आज उत्तर भारत में समाजसेवा, संगठनात्मक नेतृत्व और उद्यमिता का सशक्त चेहरा बनकर उभरे हैं। किसान परिवार में पले-बढ़े पवन शर्मा की जीवन-यात्रा मेहनत, अनुशासन और सेवा-भाव का जीवंत उदाहरण है।

संघर्ष से उद्यमिता की ओर..निम्न-मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे पवन शर्मा के पिता स्व. प्रहलाद राय और माता स्व. नर्मदा देवी ने अभावों के बावजूद उन्हें संस्कारों की पूंजी दी।

वेनेजुएला के बाद, ट्रंप का रुख ग्रीनलैंड की ओर

चंडीगढ़/यूटर्न/7 जनवरी। वेनेजुएला की नफरत भरी सरकार के मुखिया को हटाने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने 21वीं सदी के साम्राज्य बनाने के प्रोजेक्ट के लिए नए अधिग्रहण की तलाश में हैं। अपने पहले कार्यकाल के दौरान, ग्रीनलैंड पर उनके इरादों को एक मजाक समझा गया था। लेकिन अब ऐसा नहीं है। पिछले साल भी, जब डोनाल्ड ट्रंप जूनियर अपने पिता के जेट से उस बड़े द्वीप पर गए थे, जिसमें कॉकपिट में राष्ट्रपति का बॉबलहेड था और बाद में, जब उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अपनी छोटी सी यात्रा के लिए पार्का पहना था, तो उसमें अमेरिकी मजाक का एक तत्व था। लेकिन अब कोई इसे मजाक नहीं समझता। यूरोपीय नेता, जिन्होंने मंगलवार को द्वीप की संप्रभुता और उसके स्वायत्त क्षेत्र पर डेनमार्क के दावों की पुष्टि की, राष्ट्रपति की धमकियों को गंभीरता से ले रहे हैं। यह शायद ही आश्चर्य की बात है, क्योंकि वेनेजुएला में जीत के बाद घमंड से भरी सरकार अब पूरे पश्चिमी गोलार्ध को ट्रंप का क्षेत्र मानती है और उनके टॉप सहयोगी स्टीफन मिलर ने सीएनएन पर चेतावनी दी कि अमेरिका ताकत, बल और शक्ति से शासित दुनिया के कठोर कानूनों का पालन नहीं कर रहा है।

बर्फ से ढके क्षेत्र की तलाश में ट्रंप

लेकिन ट्रंप का सार्वजनिक तर्क कि अमेरिका को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बर्फ से ढके क्षेत्र की जरूरत है, पूरी तरह से सही नहीं था - व्हाइट हाउस ने मंगलवार को घबराए हुए नाटो सहयोगियों को यह कहकर और चौंका दिया कि इसे हासिल करने के लिए सैन्य बल का इस्तेमाल करने से इनकार नहीं किया जा सकता।

एक रणनीतिक केंद्र बिंदु

राष्ट्रपति बिल्कुल सही हैं कि ग्रीनलैंड रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। यह हमेशा से एक महत्वपूर्ण मध्य-अटलांटिक ब्रिजहेड रहा है। दूसरे विश्व युद्ध में, इसने खतरनाक ग्रीनलैंड एयर गैप समुद्री मार्ग को अपना नाम दिया, जो जमीन पर आधारित विमानों की पहुँच से बाहर था, जिसे नाजी यू-बोट्स ने मित्र देशों के व्यापारी काफिलों के लिए एक कत्लगाह बना दिया था। किसी भी नए बड़े युद्ध में, जो भी ग्रीनलैंड को नियंत्रित करेगा, वह महत्वपूर्ण अटलांटिक समुद्री मार्गों पर हावी हो जाएगा। और क्षेत्र में मौजूदा अमेरिकी बेस पहले से ही अमेरिकी शुरूआती चेतावनी मिसाइल डिटेक्शन सिस्टम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ग्रीनलैंड बनता जा रहा गर्म स्थान

दूसरे विश्व युद्ध के आठ दशक बाद, ग्रीनलैंड सचमुच और भू-राजनीतिक रूप से एक गर्म स्थान बनता जा रहा है, क्योंकि पिघलती बर्फ दुनिया की छत पर नए शिपिंग मार्ग खोल रही है। चीन और रूस भी ट्रंप की तरह ही समझते हैं कि यह रणनीतिक रूप से कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन ट्रंप के तर्क में कमी यह है कि अगर उन्हें लगता है कि अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में है, तो उन्हें ग्रीनलैंड को मजबूत करने से कोई नहीं रोक रहा है। आखिरकार, ग्रीनलैंड एक ढअळड सदस्य देश का सेमी-ऑटोनॉमस इलाका है। इसकी विशाल खाली जगहों पर आसानी से एक नई छावनी, बेस और हजारों मिलिट्री कर्मियों को रखा जा सकता है।

साझेदारी समझौते के लिए तैयार

ग्रीनलैंड अभी तक इस्तेमाल न किए गए ऑफशोर तेल और गैस क्षेत्रों से भी समृद्ध है और जैसे-जैसे इसका टुंड्रा पिघलेगा, इसके दुर्लभ खनिज भंडार, जो नई उम्र की टेक्नोलॉजी और हथियारों को बढ़ावा दे सकते हैं, उन्हें निकालना आसान हो जाएगा। अगर ट्रंप को दुर्लभ खनिजों की परवाह है, तो डेनिश और ग्रीनलैंड दोनों अधिकारियों ने कहा है कि वे साझेदारी समझौतों के लिए तैयार हैं।

यूरोप में चिंता बढ़ रही है

फ्रांस, जर्मनी, इटली, पोलैंड, स्पेन और यूनाइटेड किंगडम के नेताओं ने मंगलवार को डेनिश प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन के साथ मिलकर घोषणा की कि रग्रीनलैंड उसके लोगों का है।र मार्क कार्नी - कनाडा के प्रधानमंत्री, जिसकी ग्रीनलैंड के साथ एक छोटी जमीनी सीमा और एक विशाल समुद्री सीमा है - ने अगले महीने देश में एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेजने की घोषणा की। कार्नी का भी ट्रंप के क्षेत्रीय विस्तारवाद से सामना हुआ है। अगर राष्ट्रपति ने अपनी इस मांग से लाखों कनाडाई लोगों को नाराज न किया होता कि उनका देश अमेरिका का 51वां राज्य बन जाए, तो कंजर्वेटिव नेता पियरे पोइलिवरे - जो MAGA-लाइट स्टाइल के लोकलुभावन नेता हैं - शायद पिछले साल का चुनाव जीत जाते।

साउथ सिटी में NIKA 2026 फैशन शो के ऑडिशन सम्पन्न

AXA मॉडलिंग एजेंसी ने उभरती प्रतिभाओं को दिया राष्ट्रीय मंच

लुधियाना, यूटर्न, 07 जनवरी। साउथ सिटी स्थित एक स्थानीय होटल में AXA मॉडलिंग एजेंसी की ओर से NIKA 2026 फैशन शो के ऑडिशन का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एजेंसी के ऑर्गनाइजर अभिनव धीर की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ऑडिशन में बच्चों और बड़ों सहित करीब 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और रैम्प वॉक, कॉन्फिडेंस और प्रेजेंटेशन के जरिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चयन प्रक्रिया एक अनुभवी जजों की टीम द्वारा की गई, जिसमें मेकअप आर्टिस्ट सुमेधा सूद, मॉडल हिमिका सूद, मॉडल साहिल सोनी, मिस्टर जसप्रीत मलिक और मिस्टर निशांत भारद्वाज शामिल थे।

आयोजकों के अनुसार, इस ऑडिशन का मुख्य उद्देश्य उभरती हुई प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, वहीं फैशन और मॉडलिंग जगत से जुड़े लोगों ने आयोजन की सराहना की। AXA मॉडलिंग एजेंसी ने भरोसा दिलाया कि चुने गए प्रतिभागियों को NIKA 2026 फैशन शो के माध्यम से अपनी प्रतिभा देशभर में दिखाने का अवसर मिलेगा, जिससे उनके करियर को नई दिशा मिलेगी।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372